Doon Public School Bhuj
Hindi Worksheet

Class –VII **Date-01/05/2020**

Chapter- पाठ-2 (निर्णय का अभिवादन)

<u>*बताइए</u>

प्र-1.जयंत ने कार की गति धीमी क्यों कर दी?

उ-1 रमेश के फ़ौज में भरती होने का निर्णय और अपने अतीत के बारे में सोचते हुए जयंत ने कार की गति धीमी कर दी |

प्र-2. फ़ौज में भरती होने के जयंत के सारे प्रयास असफल क्यों रहे ?

उ-2 शारीरिक रूप से कमज़ोर होने कारण फ़ौज में भरती होने के उसके प्रयास असफल रहे |

प्र-3.जयंत अपनी वर्तमान स्थिति से खुश क्यों था ?

उ-3 अच्छा वेतन और बहुत-सी सुख-सुविधाएँ उसकी खुशी का कारण था |

प्र-4.जयंत की कार का एक्सीडेंट कैसे हुआ था ?

उ-4 कार चलाते समय जयंत का ध्यान कही और था साथ ही कार की गति सीमा से कहीं अधिक थी इस कारण कार का एक्सीडेंट हुआ था |

<u>*लिखिए -</u>

<u>*कुछ शब्दों में -</u>

प्र-1 रमेश को जयंत ने कहाँ छोड़ा था ?

उ-1 रमेश को जयंत ने कृष्णापुरा में छोड़ा था |

प्र-2 रमेश ने सुबह कौन-सा विज्ञापन देखा था ?

उ-2 रमेश ने भारतीय सेना का शोर्ट कमीशन की भरती का विज्ञापन देखा था |

प्र-3 जयंत ने रमेश को क्या समजाने का निर्णय लिया ?

उ-3 जयंत ने रमेश को समजाया कि सेना में भरती होने का निर्णय बदल ले |

प्र-4 मिलट्री ट्रक में कौन बैठे थे ?

उ-4 मिलट्री ट्रक में छह- सात जवान बैठे हुए थे |

***अधिकतम शब्दों में**

प्र-1 कार दुर्घटना में क्या हुआ और उसकी भरपाई कैसे हुई?

उ-1 कार दुर्घटना में कार को काफ़ी नुकसान हुआ | इसकी भरपाई के लिए बीमा कंपनी से पैसा मिला ,जिससे कार की मरम्मत हुई |

प्र-2 जयंत को रमेश से ईर्ष्या क्यों महसूस हुई थी ?

उ-2 कंपनी के अधिकारी मि.जैक्सन रमेश के कार्य से खुश थे | वह कभी भी रमेश को जमशेदपुर ब्रांच सहायक प्रबंधक बना सकते थे | जिसके बाद रमेश को कंपनी से कोठी,कार सब मिलते | यही सोचकर जयंत को रमेश से ईर्ष्या हुई |

प्र-3 रमेश दिनेश के घर क्यों नहीं ठहरना चाहता था ?

उ-3 वह पिछली बार दिनेश के घर ही ठहरा था इसलिए वह उसे इस बार परेशान नहीं करना चाहता था | उसे दिनेश से मदद लेने में झिझक भी महसूस हुई |

प्र-4 पैराडाइज़ लॉज की क्या विशेषता थी ?

उ-4 उसके कमरों में सभी साधन सुलभ होते थे | खिड़की से शहर का दृश्य दिखाई देता था | कमरे में ही भोजन पहूँचा दिया जाता था | एक साथ दो सप्ताह भी ठहरा जा सकता था |

प्र-5 क्या कारण था की जयंत को रमेश का निर्णय ठीक लगने लगा ?

उ-5 जयंत को महसूस हुआ कि आज देश को उसके जैसे युवाओं की ज़रूरत है,देश के प्रति उसका भी कुछ दायित्व बनता है | इन्ही कारणों से उसे फ़ौज में जाने का रमेश का निर्णय ठीक लगने लगा |

प्र-6 पाठ का अन्य शीर्षक सुझाते हुए कारण भी लिखिए |

उ-6 इस पाठ का दूसरा शीर्षक 'देश की पुकार' हो सकता है | वह सैनिक ही हो सकता है जो तमाम सुख-सुविधाएँ छोड़कर अपना जीवन देश के लिए अर्पण कर सकता है |

***मूल्याधारित प्रश्न (do any one)**

प्र-1 जीवन में सुख-सुविधाओं की अपनी अहमियत होती है परंतु आपके विचार से एक आदर्श जीवन कैसा होना चाहिए ?

उ-1 आदर्श जीवन समर्पण ,परोपकार और देशभक्ति से भरा होना चाहिए | अपने लिए तो सभी जीते है ,जीवन वही जो दूसरों के लिए जिया जाए |